मिस्र के राजवंश

राजवंश एवं घटनायें	संभावित तिथिक्रम
प्रारंभिक काल - इस काल में मिस्री लोग गाँव या समूह में जुड़ना आरंभ हो गए थे।	ई. पू. ३४००-२९५०
प्रथम एवं द्वितीय राजवंश - इस काल में नील नदी की घाटी एवं डेल्टा का विलियनीकरण एक ही शासक के आधीन किया गया।	ई. पू. २९५०-२६७५
तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठम राजवंश - इस काल में मेम्फिस के निकट विशालतम पिरामिडों का निर्माण किया गया।	ई. पू. २६७५-२१८०
सप्तम, अष्ठम, नवम एवं दशम राजवंश - इस काल में विदेशियों ने डेल्टा क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया। पश्चिम से लीबियावसियों ने तथा पूरब से एशियावासियों ने।	ई. पू. २१८०-१९७०
ग्यारहवाँ एवं बारहवाँ राजवंश - इस काल में मिस्र का पुनर्गठन हुआ जिसकी राजधानी थेबेस बनी। यह काल मिस्रियों की कला की सर्वोच्च कुशलता का काल था। संभवतः इसी समय इब्राहीम मिस्र में था। उत्पत्ति १२:१०	ई. पू. १९७०-१७५६
तेरहवाँ, चौदहवाँ, पन्द्रहवाँ, सोलहवाँ एवं सत्रहवाँ राजवंश - मिस्र पर हिक्सोस एवं एशिया के आक्रमणकारियों ने शासन किया, जिनके पास उच्चकोटि की तकनीकी एवं सैनिक निपुणता थी। डेल्टा में रहते हुए, हिक्सोस ने सीरिया एवं पलिस्तीन के साथ व्यापार किया। सम्भवतः इस समय यूसुफ और याकूब सहित उसके पुत्र मिस्र में थे।	ई. पू. १७५६-१५३९
अठारहवाँ, उन्नीसवाँ एवं बीसवाँ राजवंश - इस अवधि में बहुत से प्रसिद्ध मिस्री शासक हुए, जैसे कि अमीनोतेप चतुर्थ, जो केवल सूर्य देवता अर्थात एटोन की उपासना करता था। तूतनखामन, जिसे "राजा तूत" के नाम से भी जाना जाता है, जिसने मिस्रियों के परम्परागत देवता, आमोन की उपासना की पुर्नस्थापना की थी। रामसेस-द्वितीय, जो संभवतः फिरौन रहा होगा इब्रियों का निर्गमन हुआ।	ई. पू. १५३९-१०७५
इक्कीसवाँ, बाइसवाँ, तेइसवाँ, चौबीसवाँ एवं पच्चीसवाँ राजवंश - इन राजवंशों में से एक फिरौन की पुत्री का विवाह सुलैमान से हुआ था। १ राजा ९:१६ इस काल में मिस्र पर अश्शूरियों का आक्रमण हुआ था।	ई. पू. १०७५-६६४
छब्बीसवाँ, सत्ताइसवाँ, अट्ठाइसवाँ, उन्तीसवाँ, तीसवाँ एवं इकतीसवाँ राजवंश - इस काल में पहले फारसियों ने मिस्र को जीता। तत्पश्चात सिकन्दर महान् ने ई. पू. ३३२ में मिस्र को जीता। सिकन्दर ने भूमध्यसागर के तट पर नई राजधानी का निर्माण किया, जहाँ नील नदी समुद्र में गिरती है और इसका नाम अपने नाम पर सिकन्दरिया रखा। सिकन्दरिया विश्व के महान् शिक्षा केन्द्रों में से एक था। आज यह एलेक्जेन्ड्रिया है।	ई. पू. ६६४-३४३
टोलमी राजवंश से रोमन साम्राज्य - सिकन्दर महान् की मृत्यु के बाद उसके सेनापति टोलमी सोतेर, ने मिस्र पर अधिकार कर लिया और टोलमी राजवंश की नींव डाली। कालान्तर में टोलमी वंश की रानी क्लियोपेट्रा ई.पू. ३० में गद्दी से उतार दी गयी और मिस्र रोमन शासन के अधीन हो गया।	ई. पू. ३३२ - ई. स. ३२४